दृष्टि The Vision

Think IAS Think Drishti

BPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2021

हिन्दी साहित्य

(वैकल्पिक विषय)

प्रारंभ 14 फरवरी, 2021

कुल 5 टेस्ट्स

- 4 सेक्शनल टेस्ट्स
- 1 मॉडल टेस्ट

केवल ऑनलाइन माध्यम (दृष्टि लर्निंग ऐप) में उपलब्ध

शुल्क – ₹2500/-

दृष्टि के हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के लिये शुल्क ₹700/-

अधिक जानकारी के लिये अपने फोन पर इंस्टॉल करें दृष्टि लर्निंग ऐप या हमें 9311406440-41 पर कॉल या मैसेज करें

दिल्ली

641, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

प्रयागराज

दृष्टि आई.ए.एस, ताशकंद मार्ग, पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज

राजस्थान

प्लॉट संख्या 45, 45ए, हर्ष टॉवर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर राजस्थान पिनकोड: 302015

मेरे चयन में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका दृष्टि : द विज़न द्वारा संचालित मॉक टेस्ट सीरीज़ की रही। दिल्ली विश्वविधालय के 'हिन्दू कॉलेज' जैसे उच्च कोटि के शिक्षण-संस्थान से 'हिन्दी साहित्य' में ग्रेजुएशन करने तथा बाद में पोस्ट ग्रेजुएशन और हिन्दी साहित्य में पी. एच. डी. में शोधरत होने के बावजूद मैंने पाया कि दृष्टि संस्थान द्वारा संचालित 'हिन्दी साहित्य मुख्य परीक्षा मॉक टेस्ट सीरीज़' हमारी गुणवत्ता और उत्तर-लेखन-कला को बहुत समृद्ध बना देता है। साथ ही मैंने पाया कि बी.पी.एस.सी. 'हिन्दी साहित्य' मुख्य परीक्षा में पूछे गए कई प्रश्न मॉक टेस्ट सीरीज़ में सम्मिलित थे।

दिवेश (Dy.Sp, बिहार)

उन प्रश्नों के पूर्वाभ्यास और मूल्यांकन में प्राप्त समुचित सुझावों ने मेरे चयन में असीम भूमिका निभायी। दृष्टि: द विज़न के मॉक टेस्ट सीरीज़ की बदौलत मैं उन अभ्यर्थियों को पीछे छोड़ने में समर्थ हुआ जिन्होंने पूर्व की मुख्य परीक्षाओं में हिन्दी साहित्य में मुझसे अधिक अंक पाए थे.....

मेरा मानना है कि मॉक टेस्ट हमारे मूल्यांकन का बेहतर तरीका है और संभव हो तो मॉक टेस्ट देना चाहिये।... मैंने अपनी तैयारी के दौरान हिंदी साहित्य के लिये दृष्टि संस्थान से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राकेश कुमार (SDM, बिहार)

मैं समझता हूँ कि मॉक टेस्ट सीरीज़ तैयारी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इसको इस संदर्भ में न लें कि परीक्षा में यहाँ से सीधे प्रश्न आएंगे, बल्कि इस संदर्भ में लें कि इससे आपका समय-प्रबंधन, परीक्षा हॉल में होने वाली गलतियाँ न्यूनतम हो जाएंगी, साथ ही आपको अपनी तैयारी के स्तर का पता चलता रहेगा।... हिंदी साहित्य की अपनी उत्तर लेखन कॉपी की मैंने दृष्टि संस्थान से जाँच कराई, साथ ही आवश्यकतानुसार सर से चर्चा भी की।

अजित प्रताप सिंह (Dy.Sp, बिहार)

Contacts: 8010440440, 87501 87501 E-mail : testseries@groupdrishti.com Website : www.drishtiias.com

विशेषताएँ

- प्रश्न की भाषा-शैली एवं प्रकृति बिहार लोकसेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप तथा गहरी समझ और जानकारी पर आधारित।
- प्रश्न में पूछे गए टॉपिक बिहार लोकसेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण तथा प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं जो प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य परीक्षा में सहायक होंगे।
- उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया में बिहार लोकसेवा आयोग द्वारा निर्धारित मानकों का यथासंभव पालन।
- समुचित तैयारी के लिये प्रत्येक टेस्ट के मध्य आवश्यक अंतराल।
- प्रत्येक अभ्यर्थी की विशिष्ट देख-रेख हेतु टेलीफोन पर मेंटरशिप सुविधा।

हमारा लक्ष्य

- आगामी मुख्य परीक्षा में संभावित प्रश्नों का पूर्वानुमान, प्रभावशाली उत्तर-लेखन शैली का विकास
- उत्तर-लेखन में आरंभ एवं निष्कर्ष लेखन-कला की बारीकियों से साक्षात्कार
- उत्तर-लेखन में तार्किकता, तारतम्यता एवं सुसंबद्धता के गुणों का विकास
- उत्तर-लेखन में विश्लेषण एवं उद्धरण के समानुपातिक संयोजन का उद्घाटन
- शब्दगत एवं वाक्यगत अशुद्धियों का निराकरण
- सभी प्रश्नों के पूर्ण हल हेतु समय-संयोजन कला का विकास
- व्याख्या के प्रश्नों की पहचान हेतु विशेष प्रयत्न

टेस्ट संख्या	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट 1	14 फरवरी, 2021 (रविवार)	पाठ्यक्रम: खंड-I
टेस्ट 2	23 फरवरी, 2021 (मंगलवार)	पाठ्यक्रम: खंड-II
टेस्ट 3	5 मार्च, 2021 (शुक्रवार)	पाठ्यक्रम: खंड-I
टेस्ट 4	14 मार्च, 2021 (रविवार)	पाठ्यक्रम: खंड-II
टेस्ट 5	23 मार्च, 2021 (मंगलवार)	मॉडल पेपर (संपूर्ण पाठ्यक्रम)

टेस्ट अनुसूची

टेस्ट सं. (कोड)	दिनांक व दिन	विषय
टेस्ट 1	14 फरवरी, 2021 (रविवार)	1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी की व्याकरणिक और शाब्दिक विशेषताएँ। 2. मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 3. 19वीं शताब्दी में खड़ी बोली हिन्दी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 4. देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा का मानकीकरण। 5. स्वाधीनता संघर्ष के समय हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास। 6. स्वतंत्रता के बाद भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. हिन्दी की प्रमुख उप-भाषाएँ और उनका पारस्परिक संबंध। 8. मानक हिन्दी के प्रमुख व्याकरणिक लक्षण। 9. हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों, अर्थात् आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग आदि की मुख्य प्रवृत्तियाँ। 10. आधुनिक हिन्दी की छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कहानी, अकविता आदि मुख्य साहित्यिक गतिविधियाँ और प्रवृत्तियों की प्रमुख विशेषताएँ। 11. आधुनिक हिन्दी में उपन्यास और यथार्थवाद का आविर्भाव। 12. हिन्दी में रंगशाला और नाटक का संक्षिप्त इतिहास। 13. हिन्दी में साहित्य समालोचना के सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख समालोचक। 14. हिन्दी में साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।

टेस्ट 2	23 फरवरी, 2021 (मंगलवार)	**1. कबीर :** कबीर ग्रंथावली (प्रारंभ के 200 पद, संपादक- श्याम सुंदर दास) **2. सूरदास :** भ्रमरगीत सार (प्रारंभ के केवल 200 पद) **3. तुलसीदास :** (i) रामचरितमानस (केवल अयोध्याकांड), (ii) कवितावली (केवल उत्तरकांड) **4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र :** अंधेर नगरी **5. प्रेमचंद :** (i) गोदान, (ii) मानसरोवर (भाग- एक) **6. जयशंकर प्रसाद :** (i) चन्द्रगुप्त, (ii) कामायनी (केवल चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा सर्ग) **7. रामचन्द्र शुक्ल :** चिंतामणि (पहला भाग) : (प्रारंभ के 10 निबंध) **8. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला :** अनामिका (केवल सरोज स्मृति और राम की शक्ति पूजा) **9. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय :** शेखर : एक जीवनी (दो भाग) **10. गजानन माधव मुक्तिबोध :** चांद का मुँह टेढ़ा है (केवल अंधेरे में)
टेस्ट 3	5 मार्च, 2021 (शुक्रवार)	1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी की व्याकरणिक और शाब्दिक विशेषताएँ। 2. मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 3. 19वीं शताब्दी में खड़ी बोली हिन्दी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 4. देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा का मानकीकरण। 5. स्वाधीनता संघर्ष के समय हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास। 6. स्वतंत्रता के बाद भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. हिन्दी की प्रमुख उप-भाषाएँ और उनका पारस्परिक संबंध।

www.drishtiIAS.com
Contact :8010440440, 8750187501

		8. मानक हिन्दी के प्रमुख व्याकरणिक लक्षण। 9. हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों, अर्थात् आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग आदि की मुख्य प्रवृत्तियाँ। 10. आधुनिक हिन्दी की छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कहानी, अकविता आदि मुख्य साहित्यिक गतिविधियाँ और प्रवृत्तियों की प्रमुख विशेषताएँ। 11. आधुनिक हिन्दी में उपन्यास और यथार्थवाद का आविर्भाव। 12. हिन्दी में रंगशाला और नाटक का संक्षिप्त इतिहास। 13. हिन्दी में साहित्य समालोचना के सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख समालोचक। 14. हिन्दी में साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।
टेस्ट 4	14 मार्च, 2021 (रविवार)	**1. कबीर** : कबीर ग्रंथावली (प्रारंभ के 200 पद, संपादक- श्याम सुंदर दास) **2. सूरदास** : भ्रमरगीत सार (प्रारंभ के केवल 200 पद) **3. तुलसीदास** : (i) रामचरितमानस (केवल अयोध्याकांड), (ii) कवितावली (केवल उत्तरकांड) **4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** : अंधेर नगरी **5. प्रेमचंद** : (i) गोदान, (ii) मानसरोवर (भाग- एक) **6. जयशंकर प्रसाद** : (i) चन्द्रगुप्त, (ii) कामायनी (केवल चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा सर्ग) **7. रामचन्द्र शुक्ल** : चिंतामणि (पहला भाग) : (प्रारंभ के 10 निबंध) **8. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला** : अनामिका (केवल सरोज स्मृति और राम की शक्ति पूजा) **9. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय** : शेखर : एक जीवनी (दो भाग) **10. गजानन माधव मुक्तिबोध** : चांद का मुँह टेढ़ा है (केवल अंधेरे में)
टेस्ट 5	23 मार्च, 2021 (मंगलवार)	**सम्पूर्ण पाठ्यक्रम**